नईदुनिया

खाड़ी में तनाव कम हुआ, आपकी जेब को मिलेगी राहत

नई दिल्ली

जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जैसी स्थिति ने खाड़ी देशों में तनाव बढ़ाया था, तब इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ा था। कच्चे तेल, गैस और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के चलते पेट्रोल-डीजल से लेकर दूध और हवाई टिकट तक सब कुछ महंगा हो गया था।

एलपीजी, सीएनजी, फर्टीलाइज़र समेत 10 चीजें हो जाएंगी सस्ती

लेकिन अब जैसे-जैसे यह भू-राजनीतिक संकट खत्म हो रहा है, भारत में महंगाई पर लगाम लगने और कई आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं के दाम घटने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि खाड़ी में शांति का सबसे बड़ा फायदा ऊर्जा क्षेत्र को मिलेगा। भारत अपनी 60 फीसदी एलपीजी और 50 फीसदी प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इन्हीं देशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रोपेन-ब्यूटेन और स्पाट एलएनजी की कीमतें गिरने से घरेलू एलपीजी सिलेंडर 70 से 100 रुपये तक और सीएनजी-पीएनजी 4 से 6 रुपये प्रति किलो तक सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, एलपीजी पर सरकार सब्सिडी का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाती है या नहीं, यह देखना होगा। इसके अलावा हवाई सफर भी सस्ता होगा। कच्चे तेल की कीमतें सामान्य होने से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) 10-12 फीसदी सस्ता होगा, जिससे एयरलाइंस कंपनियां हवाई किराए में 8-10 फीसदी की कटौती कर सकती हैं। आपकी रसोई में पहुंचने वाले विदेशी खजूर और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स भी 25 से 30 फीसदी तक सस्ते होंगे, क्योंकि समुद्री नाकेबंदी खत्म होने से इनकी सप्लाई सामान्य होगी। कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरक (यूरिया, फास्फेटिक खाद) के आयात पर लगने वाली लागत 12-15 फीसदी तक कम होगी, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। उद्योगों के लिए प्लास्टिक दाना, स्क्रैप मेटल, इंडस्ट्रियल सल्फर और पेंट्स बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल भी सस्ता हो जाएगा। युद्ध के दौरान समुद्री जहाजों का भाड़ा और वार रिस्क इंश्योरेंस प्रीमियम 300 फीसदी तक बढ़ गया था, जो अब 30 फीसदी कम होने का अनुमान है। इससे इन उत्पादों की इनपुट लागत घटेगी और वे उपभोक्ताओं के लिए सस्ते हो जाएंगे। अंत में, ईंधन की लागत कम होने से आनलाइन डिलीवरी और लाजिस्टिक्स सेवाओं पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा, जिससे डिलीवरी चार्जेस में 5-8 फीसदी की राहत मिल सकती है। कुल मिलाकर, खाड़ी में शांति भारतीय उपभोक्ताओं के लिए महंगाई से एक बड़ी राहत बनकर आई है।

न्यूज ब्रीफ

होंडा की बाइक्स में मिलेगा ई-क्लच तकनीक का खास अनुभव

नई दिल्ली। अपनी वर्ष 2026 के लिए प्रीमियम मोटरसाइकिल श्रृंखला का कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अनावरण किया है। ई-क्लच तकनीक वाली यह बाइक बिना मैन्युअल क्लच दबाए गियर बदलने की सुविधा प्रदान कर राइडिंग को पहले से कहीं अधिक आसान बनाती है। कंपनी ने नई सीबी750 हार्नेट और एक्सएल750 ट्रांसएल्प माडल्स के माध्यम से इस अभिनव तकनीक को भारतीय बाजार में उतारा है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्सुत्सुमु ओटानी के अनुसार, यह ई-क्लच तकनीक आधुनिक इंजीनियरिंग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो शहर की भीड़भाड़ वाली सड़कों से लेकर लंबी दूरी की यात्राओं तक, सभी परिस्थितियों में राइडर्स को एक सहज और बेहतर अनुभव प्रदान करेगी। नई सीबी750 हार्नेट की एक्स-शोरूम कीमत 10.49 लाख रुपये रखी गई है। इसमें अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क्स, ड्यूल डिस्क ब्रेक और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी वाला टीएफटी डिस्प्ले जैसे प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं। एडवेंचर और टूरिंग के शौकीनों के लिए, एक्सएल750 ट्रांसएल्प को 13.20 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया गया है।

भारतीय मानक ब्यूरो ने किया ई22, ई27 और ई30 पेट्रोल के मानकों को अधिसूचित

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो ने हाल ही में ई22, ई27 और ई30 पेट्रोल के मानकों को अधिसूचित किया है। ई30 पेट्रोल का अर्थ है ऐसा ईंधन जिसमें 30 प्रतिशत इथेनाल और 70 प्रतिशत सामान्य पेट्रोल का मिश्रण होगा। हालांकि, इस पहल को लेकर विशेषज्ञों के बीच चिंताएं बढ़ गई हैं, उनका मानना है कि वर्तमान में देश में चल रहे अधिकांश वाहन इस उच्च इथेनाल मिश्रण के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। फिलहाल, देश में ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत इथेनाल) का उपयोग शुरू हो चुका है और वर्ष 2023 के बाद निर्मित अधिकांश नई गाड़ियां इसके अनुरूप हैं। लेकिन ई30 के मामले में स्थिति कहीं अधिक जटिल मानी जा रही है। इथेनाल की प्रकृति पानी को सोखने वाली होती है, जिससे पुराने इंजनों, फ्यूल पंपों, रबर पाइपों और इंजेक्टरों में जंग लगने या खराबी आने की आशंका बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, इथेनाल में सामान्य पेट्रोल की तुलना में कम ऊर्जा होती है, जिसका सीधा असर वाहन के माइलेज पर पड़ता है। कई वाहन मालिकों ने ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद माइलेज में 10 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट की शिकायत की है। ऐसे में, ई30 के इस्तेमाल से माइलेज पर और अधिक नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि ई30 ईंधन के प्रभावी और सुरक्षित उपयोग के लिए फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक वाली गाड़ियों की आवश्यकता होगी। इसके लिए वाहन निर्माताओं को इंजन ट्यूनिंग, फ्यूल सिस्टम और अन्य संबंधित पुर्जों में महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव करने होंगे।

हुंडई की लोकप्रिय हैचबैक नई आई20 ब्राजील में लांच

नई दिल्ली। ब्राजील में अपनी लोकप्रिय हैचबैक, नई आई20 कार को हुंडई ने लान्च कर दिया है। यह नया

माडल पूरी तरह बदले हुए लुक, उन्नत तकनीक और ई30 इथेनाल-ब्लेंडेड पेट्रोल को सपोर्ट करने वाले इंजन विकल्पों के साथ आया है। के3 प्लैटफार्म पर बनी इस कार की शुरुआती कीमत लगभग 18.78 लाख रुपये है। कंपनी इसे दो इंजन और गियरबाक्स विकल्पों में पेश कर रही है, जो दोनों ही ई30 इथेनाल मिश्रण वाले पेट्रोल को समर्थन देते हैं। यह खबर कुमार प्रशांत सिंह द्वारा 14 जून, 2026 को लाइव हिन्दुस्तान पर प्रकाशित की गई थी। नई आई20 का एक्सटीरियर पहले से कहीं अधिक बोल्ड और आधुनिक है। 4,130 मिमी की लंबाई और 1,780 मिमी की चौड़ाई के साथ, यह भारत में मौजूदा तीसरी पीढ़ी की आई20 से बड़ी है। इसमें वेरिएंट के अनुसार 15, 16 और 17 इंच के व्हील्स मिलते हैं, जबकि कनेक्टेड एलईडी लाइट बार फ्रंट और रियर को एक फ्यूचरिस्टिक लुक देते हैं। एसयूवी जैसा एहसास देने के लिए बंपर और व्हील आर्च पर ब्लैक बाडी क्लैडिंग का इस्तेमाल किया गया है। इंटीरियर की बात करें तो, नई आई20 ज्यादा प्रैक्टिकल और प्रीमियम हो गई है, जिसमें 346 लीटर का बूट स्पेस मिलता है, जो मौजूदा माडल से 35 लीटर अधिक है। केबिन में हुंडई का लेटेस्ट स्टीयरिंग व्हील, डुअल डिजिटल डिस्प्ले, वायरलेस चार्जिंग, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्राइड आटो जैसे आधुनिक फीचर्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं।

बंपर पैदावार और आक्रामक खरीद से भरे गोदाम, देश में गेहूं-चावल का रिकार्ड स्टाक

नई दिल्ली

बाजार में गेहूं के तेवर कड़े हो रहे हैं। राजधानी दिल्ली में अप्रैल में जो गेहूं 2550 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर था, वह 16 जून को बढ़कर 2700 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया है। कीमतों में आई इस तेजी के पीछे दो बड़े कारण हैं। पहला है निर्यात में जोरदार उछाल। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में जहां देश से महज 6,448 टन गेहूं का निर्यात हुआ था, वहीं अप्रैल 2026 में यह आंकड़ा करीब सात गुना बढ़कर 45,162 टन पर पहुंच गया है। निर्यात की इस तेज रफ्तार ने घरेलू बाजार में कीमतों को समर्थन दिया है।

दूसरा कारण है रिकार्ड तोड़ सरकारी खरीद। चालू फसल वर्ष 2025-26 में अच्छी मानसून बारिश के कारण देश में 12.06 करोड़ टन गेहूं का रिकार्ड उत्पादन हुआ है। सरकार ने इस साल 3.5 करोड़ टन गेहूं की खरीद की है, जिससे एक जून तक गेहूं का स्टाक 5.34 करोड़ टन के साथ 2021 के बाद अपने पांच साल के उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है।

चावल का भंडार बढ़कर लक्ष्य से पांच गुना ज्यादा - फसल वर्ष 2025-26 में देश में 15.4 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है। एक जून तक सरकारी गोदामों में बिना पिसा हुआ धान मिलाकर चावल का कुल स्टाक 6.84 करोड़ टन के सर्वकालिक रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। सरकार ने एक जुलाई तक आरक्षित भंडार का जो लक्ष्य तय किया था, वह महज 1.35 करोड़ टन था। यानी सरकार के पास तय लक्ष्य से पांच गुना से भी ज्यादा चावल का स्टाक मौजूद है। भारत दुनिया के कुल चावल निर्यात में अकेले 40 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। जानकारों का कहना है कि अल नीनो की आशंकाओं के बावजूद, इस महा-स्टाक के दम पर भारत बिना किसी डर के सप्लाई आक्रामक तरीके से जारी रख सकेगा।

सोयाबीन के रकबे में बंपर बढ़त की उम्मीद - इस साल सोयाबीन के रकबे में तेज बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। किसानों और उद्योग जगत के अधिकारियों के मुताबिक, चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची कीमतों और अल नीनो के कारण सामान्य से कम बारिश के अनुमानों ने किसानों को गन्ने और मक्के जैसी अधिक पानी वाली फसलों को छोड़कर इस तिलहन की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है।

भारतीय किसानों ने वर्ष 2025 में 1.2 करोड़ हेक्टेयर में सोयाबीन की बुवाई की थी, उम्मीद है कि इस साल इसका क्षेत्रफल 10 फीसदी तक बढ़ सकता है। पिछले महीने सोयाबीन की कीमतें 7,587 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गईं, जो चार साल का उच्चतम स्तर है। यह समर्थन मूल्य से काफी ऊपर है।

क्रेटा ने दर्ज की 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री

नई दिल्ली। मई 2026 की बिक्री रिपोर्ट ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट को लेकर बाजार की बदलती तस्वीर को उजागर किया है। बीते मई माह में क्रेटा ने 15,235 यूनिट्स की शानदार बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में 2.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है, और इसने शीर्ष स्थान हासिल किया। सभी को पीछे छोड़ते हुए, हुंडई क्रेटा ने इस सेगमेंट में अपनी बादशाहत कायम रखी है। बिक्री सूची में दूसरे पायदान पर मारुति सुजुकी की नई एसयूवी विक्टोरिस रही, जिसने 10,853 यूनिट्स की बिक्री के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद, किआ सेल्टोस ने 10,597 यूनिट्स बेचकर तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिसमें सालाना आधार पर 74.24 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि देखी गई। चौथे नंबर पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा रही, जिसकी बिक्री में 80.22 प्रतिशत की जबरदस्त सालाना बढ़ोतरी हुई और इसने 9,366 यूनिट्स बेचीं। पांचवां स्थान टोयोटा हाइराइडर को मिला, जिसने 8,664 यूनिट्स की बिक्री के साथ 14.41 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। छठे स्थान पर टाटा सिएरा रही, जिसकी कुल 6,606 यूनिट्स बिकीं। हालांकि, सातवें नंबर पर मौजूद टाटा कर्व के लिए पिछला महीना कुछ खास नहीं रहा, जिसकी बिक्री में 45.15 प्रतिशत की भारी गिरावट आई और इसे केवल 1,680 नए ग्राहक मिले। आठवें नंबर पर एमजी जेडएस ईवी ने 1,562 यूनिट्स बेचकर 333.89 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की। वहीं, नौवें पायदान पर स्कोडा कुशाक रही, जिसने 103.42 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ 1,310 यूनिट्स की बिक्री की। इस सूची में दसवें स्थान पर फाक्सवैगन टाइगुन रही, जिसकी 1,281 यूनिट्स बिकीं और इसमें 13.77 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई।

भारत-अमेरिका व्यापार नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका अपने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए लगातार उच्च-स्तरीय व्यापार वार्ता में संलग्न हैं। इन वार्ताओं का उद्देश्य एक व्यापक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना और आपसी व्यापार से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करना है, ताकि दोनों देशों के लिए आर्थिक सहयोग को बढ़ावा मिल सके। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कार्यालय के अधिकारी नियमित रूप से भारत का दौरा करते हैं और भारतीय वाणिज्य मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करते हैं।

व्यापार संबंधों में नई राह, ग्रीर का भारत दौरा सुलझाएगा उलझनें

इन बैठकों का मुख्य ध्यान एक फ्रेमवर्क समझौते को अंतिम रूप देने और एक बड़े भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा को आगे बढ़ाने पर होता है। दोनों पक्ष वस्तु व्यापार, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क एवं व्यापार सुविधा, और आर्थिक सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हैं। वार्ता के दौरान एक प्रमुख मुद्दा यूएस ट्रेड एक्ट के सेक्शन 301 के तहत भारत के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है। इस जांच के तहत अमेरिकी सरकार ने भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे भारत एक कानूनी मुद्दा मानता है जिसका व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। भारत इस संबंध में अमेरिकी पक्ष से स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। पूर्व में दोनों देशों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से जुड़े अंतरिम समझौते के प्रारूप पर सहमति व्यक्त की थी। इसके तहत कुछ शुल्कों को हटाने या कम करने पर भी विचार किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापारिक बाधाओं को कम करना था। ये निरंतर वार्ताएं भारत और अमेरिका के बीच एक मजबूत और स्थिर व्यापारिक साझेदारी स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती हैं।

मौजूदा आर्थिक माहौल से अल्पकालिक चुनौतियों की आशंका

नई दिल्ली। एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल हाइजीन एंड हेल्थ केयर ने कहा है कि मौजूदा व्यापक आर्थिक परिस्थितियां निकट अवधि में कारोबार के लिए चुनौतियां पैदा कर सकती हैं। कंपनी के अनुसार उपभोक्ता मांग पर दबाव और कच्चे माल की बढ़ती लागत जैसे कारक अल्पकालिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं। कंपनी प्रबंधन ने संकेत दिया कि शहरी क्षेत्रों में खपत की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं है, जबकि कमोडिटी कीमतों में फिर से बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में लाभ मार्जिन और बिक्री वृद्धि दोनों पर दबाव बनने की संभावना है। हालांकि कंपनी का कहना है कि उसके मजबूत ब्रांड पोर्टफोलियो, परिचालन दक्षता और प्रीमियम उत्पादों पर फोकस की रणनीति उसे इन चुनौतियों से निपटने में मदद करेगी। हाल ही में घोषित वित्तीय परिणामों में कंपनी ने परिचालन स्तर पर मजबूती दिखाई, हालांकि शुद्ध लाभ में मामूली गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र इस समय मांग में सुस्ती और बढ़ती लागत जैसी दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके बावजूद बड़ी कंपनियां उत्पाद नवाचार, वितरण नेटवर्क और लागत नियंत्रण के जरिए विकास की संभावनाएं बनाए रखने की कोशिश कर रही हैं। कंपनी ने निवेशकों को भरोसा दिलाया है कि वह बदलते बाजार माहौल पर लगातार नजर बनाए हुए है और दीर्घकालिक विकास रणनीति पर काम जारी रखेगी ।

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 170 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चेन्नई में सोने के भाव में 120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी आ गई है। चांदी के भाव में भी 200 रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमी आई है।

भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,53,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। डाउ जान्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई गिरावट के कारण दबाव बना रहा। इस दबाव की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 328.64 अंक यानी 0.64 प्रतिशत बढ़ कर 51,999.67 के स्तर पर पहुंच गया। इसके विपरीत एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.57 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,511.35 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 307.60 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,376.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,055.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,494.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत उछल कर 8,447.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,910.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,074 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,786.97 अंक के स्तर पर आ गया है। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स में सबसे अधिक तेजी आई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,183.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि निक्केई इंडेक्स 519.50 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69,924 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,414 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,582.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स अभी तक के कारोबार में 356.69 अंक यानी 0.78 प्रतिशत फिसल कर 45,452.50 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत टूट कर 6,243.41 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत लुढ़क कर 4,084.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।